दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

मेट बैंकों में डूबे खातेदारों की उम्मीद जगी, रजनीताई पाटीलने उठाई बीड कि आवाज, दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक

दिल्ली (: संवाददाता)मेट सहकारी बैंकों में घोटालों के कारण आत्महत्या करने वाले खातेदारों व अपनी पूंजी गंवाने वाले जमाकर्ताओं को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मेट बैंकों से संबंधित मामलों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में बीड की लोकसभा सांसद श्रीमती रजनीताई पाटील ने सक्रिय सहभाग लेते हुए मेट बैंकों

के गैरकारभार के कारण हुए आर्थिक नुकसान, और इससे त्रस्त खातेदारों व जमाकर्ताओं की स्थिति को मजबूती से उठाया। उन्होंने सरकार से ठोस कार्यवाही की मांग की। बैठक के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोळ की अध्यक्षता में एक विशेष जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। यह समिति शीघ्र जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगी तथा पीड़ित खातेदारों को न्याय दिलाने की दिशा में कदम उठाएगी ऐसा आश्वासन स्वयं गृह मंत्री अमित शाह और राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोळ ने सांसद रजनीताई पाटील को दिया। इस आश्वासन के बाद ठगे गए खातेदारों व जमाकर्ताओं में नई उम्मीद जागी है। उन्होंने सांसद रजनीताई पाटील के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है।

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३५९ वा | शनिवार ९ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

एम्स की तर्ज पर बीड़ में 'सिम्स' की स्थापना के लिए सांसद सोनवणे का पहल

जे.पी.नड्डा से कि मुलाकात

दिल्ली (संवाददाता)

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (खखचड) को देश की चिकित्सा शिक्षा और उपचार सेवाओं की सर्वोच्च संस्था माना जाता है। इसी तर्ज पर अब राज्यों में 'स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़' (डखचड) स्थापित करने की नीति के तहत बीड़ जिले में भी ऐसी संस्था स्थापित करने के लिए सांसद बजरंग सोनवणे ने पहल की है।

८ अगस्त को सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा से भेंट कर बीड़ में सिम्स की स्थापना की मांग रखी। उन्होंने कहा कि अगर यह संस्था बीड़ में स्थापित की जाती है, तो इससे मराठवाड़ा के अन्य जिलों जैसे धाराशिव, परभणी, लातूर और जालना को भी गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा और स्नातक व स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस प्रकल्प के लिए ज़रूरी भूमि, आधारभूत संरचना और प्रशासनिक सहयोग राज्य सरकार व स्थानीय स्तर से पूर्ण रूप से उपलब्ध कराया जाएगा, ऐसा आश्वासन भी उन्होंने दिया। इसके साथ ही उन्होंने तुरंत मंज़ूरी देकर कार्य शुरू करने की भी पुरज़ोर मांग की।

सांसद बजरंग सोनवणे ने बीड़ जिले में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और यातायात जैसे क्षेत्रों को हमेशा प्राथमिकता दी है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए हैं कि जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। एनआरएचएम के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की नई इमारतों की मंजूरी दिलाने से लेकर, बीड़ शहर आने पर वे कई बार जिला अस्पताल का निरीक्षण कर वहां की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर नजर रख चुके हैं।

उनका हमेशा यही प्रयास रहा है कि जिले के नागरिक स्वस्थ रहें, गरीब और ज़रूरतमंद रुग्णों को केंद्र और राज्य सरकार से सहायता मिले तथा उन्हें नि:शुल्क और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। अब उन्होंने बीड़ जिले में सिम्स की स्थापना की मांग की है, जो अब तक कभी नहीं की गई थी।

शेख तैय्यब की अल्पसंख्यक भवन की मांग को मिली हरी झंडी, दादा ने भरी हामी

बीड संवाददाता

बीड शहर में अल्पसंख्यक समाज के नागरिकों के लिए एक स्वतंत्र अल्पसंख्यक भवन निर्माण हेतु मंजूरी और निधि उपलब्ध कराई जाए इस आशय का निवेदन अल्पसंख्यक मौलाना आज़ाद आर्थिक विकास महामंडल के सदस्य शेख तैय्यब ने राज्य के उपमुख्यमंत्री तथा बीड़ जिले के पालकमंत्री अजितदादा पवार को कल सौंपा। इस पर तुरंत सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए अजितदादा ने कहा कि अगली बार के दौरे में हम भवन निर्माण के लिए आवश्यक भूमि का निरीक्षण करेंगे।

यदि यह भवन बनाया जाता है, तो अल्पसंख्यक समाज से जुड़ी विभिन्न संस्थाएं और कार्यालय एक ही छत के नीचे आ सकेंगे, जिससे नागरिकों का कार्य एक ही स्थान पर सरलता से संपन्न हो सकेगा।

इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी यह है कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार पिछले दो दिनों से बीड़ जिले के दौरे पर थे। इस दौरान शेख तैय्यब ने उनसे मुलाक़ात कर कहा कि बीड़ जिले में अल्पसंख्यक समाज के लिए एक स्वतंत्र भवन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। वर्तमान में अल्पसंख्यक समाज के कई कार्यालय और संस्थाएं विभिन्न स्थानों पर बिखरे हुए हैं, जिससे लोगों को सेवाओं का लाभ उठाने में असुविधा होती है।

शेख तैय्यब ने यह भी आश्वासन दिया कि भवन निर्माण के लिए आवश्यक भूमि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी। निवेदन पढ़ने के बाद अजितदादा पवार ने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया और कहा कि अगली बार के दौरे में वे इस संबंध में स्थल का निरीक्षण करेंगे।

यदि यह अल्पसंख्यक भवन स्थापित होता है तो इसमें मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल का कार्यालय, महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड कार्यालय, उर्दू घर, हज कमेटी कार्यालय और जिले के अन्य अल्पसंख्यक कार्यालय एक ही परिसर में संचालित हो सकेंगे, जिससे लोगों की अनेक समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

सात साल बाद हुआ माँ-बाप का बेटे से मिलन, पुलिस की जिद और ममता ने किया करिश्मा

बीड (प्रतिनिधि), ८ अगस्त:

साल २०१७, एक गरीब मजदूर दंपत्ति का १६ वर्षीय बेटा राजू काकासाहेब माळी पढ़ाई के लिए बीड के नालवंडी स्थित संगमेश्वर विद्यालय में दाखिल हुआ। चूंकि रहने की सुविधा नहीं थी, इसलिए वह स्कूल के शिक्षक ज्ञानेश्वर राऊत के घर पर ठहरने लगा। राजू के माता-पिता बेहद गरीब और अशिक्षित हैं, जो कर्नाटक में गन्ना कटाई का काम करते हैं।

दिसंबर २०१७ में, स्कूल की छुट्टी के बाद राजू बिना किसी को बताए कहीं चला गया। जब ये बात उसके माता-पिता को पता चली, तो उन्हें कर्नाटक से बीड पहुंचने में आठ दिन लग गए। उन्हें उम्मीद थी कि बेटा कुछ ही दिनों में लौट आएगा। लेकिन वक्त गुजरता गया, साल बीते गए, पर राजू कभी वापस नहीं आया।

चूंकि माता-पिता अशिक्षित थे, उन्होंने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। छह साल बीत गए...

फिर साल २०२३ में राजू की माँ ने अंततः बीड के पिंपळनेर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। यह केस जनवरी २०२५ में -क्ळग (-पींळ कीरप ढीरषषळलज्ञळपस णपळीं) को सौंपा गया।

इंस्पेक्टर पल्लवी जाधव की संवेदनशीलता और जिद

जब पीएसआई पल्लवी जाधव ने -क्ळग की कमान संभाली, तो उन्होंने इस केस की फाइल का बारीकी से अध्ययन किया। सबसे पहले उन्होंने राजू के माता-पिता से मुलाकात की। उनकी आंखों के आँसू और वर्षो से दबा हुआ दर्द देख पल्लवी भावुक हो गईं और इस केस को अपनी ज़िम्मेदारी बना लिया।

इसके बाद उन्होंने राजू के स्कूल जाकर उसके शिक्षक ज्ञानेश्वर राऊत से पूछताछ की और सवाल उठाया कि जब राजू उनके घर से गायब हुआ तो उन्होंने खुद रिपोर्ट क्यों नहीं कराई? क्या उन्होंने ही राजू को नुकसान तो नहीं पहुँचाया? इस बिंदु पर पल्लवी को गहरा संदेह हुआ।

उन्होंने यह संदेह बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत को बताया। नवनीत सर ने तुरंत आदेश दिया कि जांच में डउइ (डेलरश्र उीळाश ईीरपलह) की सहायता ली जाए। इसके बाद डउइ के अधिकारी शिवाजी बंटेवाड ने पीएसआई श्रीराम खटावकर को सहयोग के लिए नियुक्त किया।

तकनीक और मेहनत से मिली सफलता

शिक्षक से कोई ठोस जानकारी नहीं मिली। तब पीएसआई श्रीराम खटावकर ने तकनीकी टीम की मदद ली। लोकेशन ट्रेस करते हुए पता चला कि राजू पुणे में है। टीम ने उसे तलाश कर विश्वास में लिया और आखिरकार उसे पुणे से बीड लाया गया।

आज सुबह, राजू को पीएसआई पल्लवी जाधव को सौंपा गया और फिर पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत के सामने पेश किया गया - जहाँ सात वर्षो से अपने लापता बेटे की राह देख रहे माता-पिता भी मौजूद थे।

वो पल बेहद भावुक और अविस्मरणीय था - माँ-बाप की आँखों से आंसू रुक नहीं रहे थे, और राजू के भी। पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत ने खुद यह खास भेंट करवाने की व्यवस्था की।

इस पूरी कार्यवाही को सफल बनाने में जिन अधिकारियों का योगदान रहा:

पुलिस अधीक्षक नवनीत कांवत

अप्पर पुलिस अधीक्षक सचिन पांडकर

पोलिस निरीक्षक शिवाजी बंटेवाड

पीएसआई पल्लवी जाधव

पीएसआई श्रीराम खटावकर

-क्ळग और डउइ की टीम जिसमें शामिल थे:

हवालदार असिफ शेख, आनंद म्हस्के, हेमा वाघमारे, उषा चौरे, प्रदीप येवले, अशोक शिंदे, अर्जुन यादव, प्रदीप वीर और योगेश निर्धार - इन सभी ने इस मानवीय कार्य में अहम भूमिका निभाई।

यह सिर्फ एक केस नहीं, बल्कि इंसानियत, ममता और पुलिस के कर्तव्यपरायणता की मिसाल है - जिसने एक बिछड़े बेटे को उसके माता-पिता से फिर मिला दिया।

अजित दादा के पास जादू की छड़ी नहीं, पर सत्ता की छड़ी तो थी ना?-ॲड.शफीक भाई का तीखा सवाल

यूँ ही वड़ापाव का तेल बैंगन पर मत निकालिए-बीड में अजित पवार के बयान पर विरोधियों का हमला

बीड: संवाददाता

राज्य के उपमुख्यमंत्री और बीड के प्रभारी मंत्री अजित पवार ने हाल ही में बीड में एक कार्यक्रम के दौरान पूर्ववर्ती नेताओं पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा, पिछले लोगों ने कुछ नहीं किया, हमें थोड़ा समय दीजिए, हम जल्द ही सुधार लाएंगे। लेकिन उनके इस बयान को लेकर उपस्थित जनता और राजनीतिक विश्लेषकों ने तीखे सवाल उठाए हैं कि बीते २० वर्षो से सत्ता में रहने वाले और विभिन्न मुख्यमंत्रियों के साथ उपमुख्यमंत्री पद संभालने वाले अजित पवार को क्या अपने ही कार्यकाल की याद नहीं?

२० साल सत्ता में, फिर भी सुधारों की प्रतीक्षा?

अजित पवार पिछले दो दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्ष १९९९ से वे उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री और अन्य महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे हैं। उन्होंने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया है। इसके बावजूद बीड में दिए अपने ताज़ा वक्तव्य में उन्होंने पूर्व सरकारों और स्थानीय नेताओं पर निशाना साधा, लेकिन अपने दीर्घकालीन शासन का कोई ज़िक्र नहीं किया।

उन्होंने कहा, हमारे पास कोई जादू की छड़ी नहीं है, हमें थोड़ा समय दीजिए, लेकिन बीते २० वर्षो में बीड के विकास के लिए उन्होंने क्या किया, इस पर उन्होंने चुप्पी साधी। जब स्थानीय नागरिकों ने सवाल किया तो उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा, क्या मेरे पास जादू की छड़ी है? इस पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (खचखच) के नेता एडवोकेट शफीक भाई ने करारा प्रहार करते हुए कहा कि, ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयान देना, सत्ता का मज़ाक उड़ाने जैसा है।

बीड का विकास और जनता की चिंता स्थानीय नागरिकों और विपक्ष ने सवाल उठाया है कि यदि २० सालों की सत्ता के बावजूद बीड में विकास की गति धीमी रही, तो अब सुधारों के लिए समय मांगने का क्या औचित्य है? बीड में बढ़ती हुई अपराध दर, अधूरी आधारभूत सुविधाएं और बेरोज़गारी जैसी समस्याओं पर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए?

जादू की छड़ी नहीं, पर सत्ता की छड़ी तो थी ही!

बीड में नगर परिषद, जिला परिषद, पंचायत समिति और अधिकांश विधायक पहले राष्ट्रवादी में थे और अब भी उसी सत्ता में हैं। फिर अब अचानक जादू की छड़ी की याद क्यों आई?

एडवोकेट शफीक भाई ने अजित पवार के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पूछा, जब अजित पवार खुद बीस सालों से सत्ता में हैं, तो अब सुधारों के लिए समय मांगने की क्या ज़रूरत है? सत्ता की छड़ी तो उन्हीं के हाथ में थी, फिर विकास कहाँ गया?

कुछ कार्यकर्ताओं ने तो यह भी आरोप लगाया है कि अजित पवार के बीड दौरे के दौरान, क्षेत्र में बढ़ती हुई आपराधिक घटनाओं की पृष्ठभूमि में, किसान नेता और छावा संगठन के कार्यकर्ताओं को नजरबंद किया गया, जिससे यह दौरा और भी विवादों में आ गया।

क्या अब बीड को मिलेगा बारामती, पुणे या पिंपरी-चिंचवड़ जैसा विकास?

एडवोकेट शफीक भाई ने कहा, दादा, आपने खुद स्वीकार किया कि बीड शहर के नागरिकों पर आपने निष्क्रिय क्षीरसागर परिवार को थोप दिया है। अजित पवार के इस बयान और उनके २० सालों के सत्ताकाल ने बीड के लोगों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं

यदि बीस वर्षो तक सत्ता में रहने के बाद भी सुधारों के लिए समय मांगा जा रहा है, तो अब तक क्या हुआ? क्या अब बीड को भी बारामती, पुणे या पिंपरी-चिंचवड़ जैसा विकास मिलेगा? ऐसा तीखा सवाल एमआईएम नेता एडवोकेट शेख शफीक भाई ने उठाया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वो साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

फडणवीस चुनाव आयोग के दलाल : हर्षवर्धन सपकाळ की आलोचना

जमीर काज़ी

मुंबई,

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की पोल खोलने के बाद भाजपा के नेता राहुल गांधी पर बेहद निचले स्तर पर जाकर टिप्पणी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनके बारे में जो भाषा इस्तेमाल की, उससे यह सवाल उठता है कि क्या वे चुनाव आयोग के दलाल हैं, वकील हैं या प्रवक्ता? यह सवाल कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने उठाया।

सपकाळ ने कहा कि फडणवीस के भीतर का यह घमंड नहीं बल्कि बदबू है जो उनकी बातों से झलकती है। ये 'चीफ़ मिनिस्टर' नहीं बल्कि 'चिप मिनिस्टर' हैं। जब-जब चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाते हैं, तब-तब भाजपा और देवेंद्र फडणवीस क्यों तिलमिला उठते हैं, यह सवाल भी उन्होंने शुक्रवार को किया।

प्रदेश कार्यालय में हुई पत्रकार वार्ता में सपकाळ ने कहा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और फडणवीस आयोग का बचाव करने क्यों आ जाते हैं? क्योंकि 'दाल में कुछ काला है' नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। राहुल गांधी ने जो घोटाला उजागर किया, उससे चुनाव आयोग से जुड़े हितसंबंध सामने आ जाएंगे, इस डर से ही फडणवीस बेचैन हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से यह सवाल उठाकर भ्रम फैलाया जा रहा है कि मतदान के समय आपत्ति क्यों नहीं ली गई। मतदान के समय और उसके बाद भी कांग्रेस ने आपत्तियां दर्ज कराई थीं और हरकतें भी उठाई थीं। पराजित उम्मीदवारों ने उच्च न्यायालय में याचिकाएं भी दायर की हैं। चुनाव आयोग से मिलकर घोटाले के सबूत भी उसी समय सौंप दिए थे, लेकिन भाजपा केवल दिमागी भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रही है। सपकाळ ने कहा कि राहुल गांधी ने बेहद तार्किक तरीके से मतदान में हुए बड़े घोटाले को उजागर किया और यह दिखा दिया कि लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कैसे चल रहा है। चुनाव में यह घोटाला साफ नज़र आ रहा है, इसलिए सरकार को राजधर्म निभाते हुए कोई एसआईटी गठित करनी चाहिए थी या फिर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों से इस पूरे मामले की जांच करवानी चाहिए थी। लेकिन राहुल गांधी ने सबूत देकर तथ्य रखने के बावजूद न तो केंद्र सरकार ने जांच करने का साहस दिखाया और न ही चुनाव आयोग ने कोई खुलासा किया। उल्टा राहुल गांधी को ही हलफनामा दाखिल करने को कहा गया, जो और भी हास्यास्पद है। सपकाळ ने आगे कहा कि चुनाव आयोग के १९६० के नियमावली के अनुसार यदि कोई इस तरह आपत्ति लेता है या आक्षेप दर्ज कराता है, तो नियम १७/१८/१९ के तहत तुरंत जांच होनी चाहिए, कानून यही कहता है। फिर जांच क्यों नहीं की जा रही? यह सवाल उन्होंने उठाया।

मत चोरी के विरोध में कांग्रेस का राज्यभर आंदोलन

मत चोरी के विरोध में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी राज्यभर आंदोलन करने जा रही है। रैली निकालकर, पदयात्रा और यात्रा जैसे विभिन्न तरीकों से यह आंदोलन किया जाएगा। आज सपकाळ के नेतृत्व में दादर में चक्का जाम कर चुनाव आयोग और भाजपा सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाज़ी की गई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस सोशल मीडिया बीड जिला अध्यक्ष पद पर मेघराज जगदाळे की नियुक्ति

बीड (प्रतिनिधि), ८ अगस्त: राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सोशल मीडिया विभाग के बीड जिला अध्यक्ष पद पर मेघराज जगदाळे की नियुक्ति की गई है। यह नियुक्ति बीड विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगेश क्षीरसागर की अनुशंसा पर सोशल मीडिया विभाग के प्रदेशाध्यक्ष आनंद पवार द्वारा की गई।

मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी के महासचिव आ. शिवाजीराव गर्जे, लतीफ तांबोळी, और बोरगे की उपस्थिति में इस चयन की घोषणा की गई। इसके बाद बीड में गुरुवार (७ अगस्त) को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री तथा बीड जिले के संपर्क मंत्री अजितदादा पवार के हाथों मेघराज जगदाळे को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर डॉ. योगेश क्षीरसागर भी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि मेघराज जगदाळे पिछले कई वर्षों से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की वैचारिक भूमिका और अजितदादा पवार के विचारों को सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। उनके इस योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें बीड जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति पर पूरे जिले भर से उन्हें बधाइयाँ मिल रही हैं।

बीड से-डॉ. शेख मंजूर अहमद को बेस्ट सीईओ अवार्ड से सम्मानित किया गया

बीड : श्री गजानन नागरी सहकारी बैंक के सरव्यवस्थापक डॉ. शेख मंजूर अहमद शेख सलीम को एसीएमइ-इन्फो मीडिया और टॉप कब की ओर से भारत की नागरी सहकारी बैंकों में से २०२५ राष्ट्रीय को-ऑपरेटिव सम्मान समारोह में बेस्ट सीईओ अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार नाफ-कब के माननीय डायरेक्टर और हरियाणा स्टेट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक फेडरेशन लिमिटेड के चेयरमैन ओ. पी. शर्मा साहब और नाफ-कब के माननीय डायरेक्टर सुनील देवरा साहब के हाथों होटल कोनराड, पुणे में प्रदान किया गया। डॉ. मंजूर अहमद को इससे पहले भी पीएचडी अवॉर्ड, बेस्ट मैनेजर

अवॉर्ड और दो बार बेस्ट सीईओ अवार्ड से नवाजा जा चुका है। यह उनका चौथा प्रतिष्ठित सम्मान है। इस अवॉर्ड के मिलने पर बैंक के माननीय अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री जयदत्त सोनाजीराव शिरसागर उर्फ अण्णा साहब, उपाध्यक्ष श्री जगदीश वासुदेव काळे साहब और माननीय संचालक मंडल ने डॉ. मंजूर अहमद को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

बीड में हुआ राज्यस्तरीय मुस्लिम पत्रकार फाउंडेशन का गठन

धर्मादाय उपायुक्त प्र. म. चौधरी साहबने दिया संस्थान का पंजीकरण प्रमाणपत्र

मोहम्मद अबूबकर बने राज्याध्यक्ष, शेख तालिब उपाध्यक्ष और शेख समीर सचिव

बीड (दिव्य न्यूज़), ६ अगस्त:

बीड जिले के मुस्लिम पत्रकारों ने एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल करते हुए राज्यस्तरीय मुस्लिम पत्रकार फाउंडेशन की स्थापना की है। यह पंजीकरण बीड के धर्मादाय उपायुक्त कार्यालय से करवाया गया है। पंजीकरण क्रमांक ००००५२४/२०२५ के अनुसार, संस्था का पंजीकरण प्रमाणपत्र ५ अगस्त को प्रदान किया गया।

यह प्रमाणपत्र धर्मादाय उपायुक्त प्र. म. चौधरी के आदेश पर जारी किया गया।

फाउंडेशन के संस्थापक एवं राज्याध्यक्ष के रूप में मोहम्मद अबूबकर,

राज्य उपाध्यक्ष के रूप में शेख तालिब,

राज्य सचिव के रूप में शेख समीर,

सह-सचिव के रूप में सैय्यद अखिल,

कोषाध्यक्ष के रूप में शेख जावेद,

तथा सदस्य के रूप में शेख शाकिर, साजन चौधरी, मोहम्मद काशिफ, और सैय्यद नदीम को चुना गया है।

बीड के धर्मादाय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कार्यालय अधीक्षक और धर्मादाय जिला वकील संघ के अध्यक्ष के हाथों यह प्रमाणपत्र सौंपा गया।

इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक के.पी. तुपेकर, वरिष्ठ लिपिक सुग्रीव सपकाळ, कनिष्ठ लिपिक द. वि. लांगडे,

बीड जिला धर्मादाय वकील संघ के अध्यक्ष ॲड. उदयसिंह सालपे पाटिल,

ॲड. प्रीती हुंबे, ॲड. सुनंदा जाधव, और ॲड. ईश्वर गलधर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में बीड जिला कामगार संघटना के जिलाध्यक्ष अलिम पटेल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

पत्रकारों और समाज के लिए व्यापक कार्य की रूपरेखा

इस संगठन के माध्यम से भविष्य में पत्रकारों के हित में और समाज के वंचित वर्गों के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जाएंगे।

इनमें शामिल हैं:

गरीब व जरूरतमंद बच्चों के लिए बालवाड़ी, आंगनवाड़ी, अनाथाश्रम का संचालन

मुस्लिम और अन्य समाज के पत्रकारों के बच्चों के लिए प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थापना

दिव्यांगों और दृष्टिहीनों के लिए विशेष सेवाएँ

पत्रकारों पर हो रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना

पत्रकारों की हर समस्या का समाधान इस फाउंडेशन के माध्यम से करना

संस्था ने राज्य भर में शीघ्र दौरा कर जिलाध्यक्ष, तालुकाध्यक्ष और शहराध्यक्ष की नियुक्तियाँ करने का निर्णय लिया है।

सदस्यता अभियान की शुरुआत हो चुकी है और जल्द ही बीड में एक भव्य पत्रकार सम्मेलन आयोजित कर सदस्यता अभियान को औपचारिक रूप से शुरू किया जाएगा।

इस नई शुरुआत को जनसमर्थन और सहयोग मिलने की संस्था को पूर्ण आशा है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com